मेघ पाईन अभियान एक आविष्कारक

मेघ पाईन अभियान कोसी सेवा सदन आचार्यवन महिषी के द्वारा लोगों को अषुद्ध पेयजल से निजात दिलाने के उद्देष्य से आरम्भ किया गया । ष्षुरुआत में प्लास्टिक के गैलन वर्षाजल संग्रहण किया जाता था । लोग इसी में वर्षाजल जमा करते तथा पीते । इससे कम पानी का भण्डारण होता था साथ ही पानी के गुणवत्ता बरकरार रहने पर षंका हुई । उसके बाद धड़ा ;बड़ेद्ध का निर्माण हुआ जो स्थानीय कुम्भकार नही बनाते थे । उसकी नमुना को देखकर स्थानीय कुम्भकार भी बनाने का प्रयास किया । कुछ हद तक नमूना के मुताबिक बनाया । इससे कुम्भकार को अच्छी मजदूरी मिलती । उसके रोजगार का सृजन हुआ । जमीन वाले को मिट्टी से अधिक आय होती है । लेकिन इसके टूटने फूटने की आषंका बनी रहती है । साथ ही इसकी पानी धारण क्षमता भी कम होती है । इसलिए मेघ पाईन अभियान कर्मी अत्यधिक दिनों तक पानी प्र्याप्त मात्रा में भण्डारण कर रखने की क्षमता का उपकरण बनाने के लिये सदा चिन्तनषील रहते ।

मटका फिल्टर का निर्माण यहॉ नही होती थी । नमुना देखकर स्थनीय कुम्भकार मटका फिल्टर बनाने में सफल सावित हुए । इसकी मॉग बढ़ गई । मेघ पाईन अभयान कर्मी की ओर से जलकोठी बनाने का प्रयास किया गया । जलकोठी बनाने में अभियान को सफलता हासिल हुआ । इसके आविष्कार से डोम,राजमिस्त्री एवं मजदूर को रोजगार मिलता है । बॉस बाले को बॉस से अच्छी आमदनी प्राप्त होती है । साथ ही मिट्टी के घड़ा में भण्डारित पानी सूख जाता था । इसकी पानी धारण क्षमता भी कम होती थी । जलकोठी के निर्माण से वर्षाजल भण्डारण की क्षमता में बढ़ोतरी हुई । अधिक दिनों तक लोग वर्षाजल पीते है । इस इलाके में गैस्टिक से बचाव का यह समाधान के रुप में विकसित हो रहा है । इससे इस क्षेत्र के लोगों को बिमारी पर होने वाली खर्च में कमी आई है । लोगों को आर्थिक लाभ हुआ है । सहरसा के एक व्यक्ति कोसी सेवा सदन पर आए और वर्षाजल पीने के बाद उन्होने एक बोतल पानी लिया बदले में रुपया दे रहे थे । सदन कर्मी रुपया नही ले रहे थे । लकिन वे जबरदस्ती रुपया दे दिया । उन्होने कहा कि यह पानी बोतल में बंद पानी से काफी अच्छा पानी है । उन्होने कहाकि औद्योगिक रुप आपलोग मेघ पाईन अभियान को दिजिए । बाजार में भी फिल्टर मिलता है । लेकिन उस फिल्टर का पानी मटका फिल्टर के समान न तो षुद्ध होता है नही इतना ठण्ढ़ा । मध्य विद्यालय सतरवार के एक षिक्षक ने बाजारु फिल्टर तथा मेघ पाईन अभियान के फिल्टर का पानी बोतल में भरकर रखा । पिछले दो वर्षो से बोतल में पानी बन्द है । बाजारु फिल्टर के तुलना में मेघ पाईन अभियान के मटका फिल्टर का पानी षुद्ध एवं स्वच्छ है । सहरसा में डॉ0 आर0 आर0 महतों के द्वारा अपने क्लिनिक पर मेघ पाईन अभियान का मटका फिल्टर लगवाया गया है । यह फिल्टर फ्रीज का भी काम करता है । फायदेमन्द षौचालय और श्री विधि को अपनाकर समृद्धि आई है । खेत उसर होने से बचता है । कम लागत से अच्छी उपज कम खेत से ही प्राप्त होती है । इससे बढ़ते जल प्रदुषण में कमी आती है । इतना ही नही इससे बढ़ती जनसंख्यॉ के जीवन निर्वाह का मार्ग प्रषस्त होता है । मेघ पाईन अभियान भूजल दोहन रोकने का एक मात्र तरीका है । अभियान के कार्य से लोगों को आत्मनिर्भरता बढ़ती है । भविष्य में जल संकट के कारण होनेवाली तृतीय गृह युद्ध की आषंका कमती है । मेघ पाईन अभियान एक आविष्कारक है ।